प्रपत्र–1: बाघ/तेंदुआ अन्य परभक्षियों एवं बड़े शाकाहारी पशुओं के चिन्हों का सर्वेक्षण

वनमण्डल: ..... परिक्षेत्र: ..... बीट: ..... दिनांक: .....
प्रारंभ समय: ..... अंत समय: ..... मार्ग क्र.: .....
प्रारंभ अक्षांश: N ..... प्रारंभ देशांतर: E .....
अंत अक्षांश: N ..... अंत देशांतर: E .....
पूर्ण तय दूरी (कि.मी.) ..... विश्राम में बिताया गया समय: .....

दल के सदस्य	नाम	पद	दूरभाष
1			
2			

अ. क्र.	समय	अक्षांश			देशांतर			चिन्ह के प्रकार*	प्रजाति**	चिन्ह की अवस्था***	टिप्पणी
		डि.	मि.	से.	डि.	मि.	से.				
1.											
2.											
3.											
4.											
5.											
6.											
7.											
8.											
9.											
10.											
11.											
12.											
13.											
14.											
15.											
16.											

चिन्ह के प्रकार*: विष्ठा/लेंडी/गोबर SCT/PLT/DNG, पदचिन्ह/ट्रैक–PT, आवाज–VC, पेड़ पर खरोंच–RK, जमीन पर खरोंच (कुरेदना) –SCR, लोटना–RL, स्प्रे–SPR, खोदना–DIG, गारा–K, विष्ठा और जमीन पर खरोंच–SS आदि कोड डालकर प्रपत्र में भरना है।

प्रजाति**: बाघ, तेंदुआ, सोन कुत्ता, लकड़बग्घा, भालू, भेड़िया/बीघा, गीदड़/सियार, जंगली बिल्ली, लोमड़ी, सियाह घोश/केराकल, चींटीखोर/पेंगोलिन, भूरा नेवला (ग्रे मोंगूज़), रस्टी–स्पॉटेड कैट, रैटल/बिज्जू/बजर, कस्तूरी/मुश्कबिलाव (स्मॉल इंडियन सिवेट), लकती/खतस (पाम सीवेट), लाल सर वाला नेवला (रुड्डी मोंगूज़), तेंदुआ बिल्ली (लेपर्ड केट), खूप्या बाघ (फिशिंग केट) एवं बड़े शाकाहारियों में मध्यप्रदेश में गौर को लिया जाए।

चिन्ह की अवस्था*: बहुत ताजा–VF, ताजा–F, पुराना–O, बहुत पुराना–VO

जानवर का प्रत्यक्ष दर्शन होने पर उसकी संख्या, आयु और लिंग का विवरण टिप्पणी में दर्ज करें।

नोट: 1. अत्यधिक चिन्ह मिलने की दशा में अतिरिक्त प्रपत्र का उपयोग करें।

1. पिछले बारह महीने में बाघिन के बच्चों के होने का प्रमाण हां/नहीं ..... यदि हाँ तों बच्चों की संख्या.....
   अनुमानित आयु ..... माह .....
   क) वन कर्मचारी द्वारा देखा गया ( ) ख) पदचिन्ह पाये गये ( )
   ग) स्थानीय निवासी द्वारा सूचना ( ) ग) अधिकारी द्वारा देखे गये ( )
   (उपरोक्त उचित व्याख्या को √ करें)
2. अगर बाघ होने के प्रमाण बीट में हों, परंतु खोज के दौरान कोई चिन्ह न मिला हो, तब किस आधार पर बाघ होने को प्रमाणित किया गया
   पदचिन्ह ( ), प्रत्यक्ष ( ), विष्ठा ( ), अन्य चिन्ह ( ) ..... और अनुमानित तिथि/माह ..... लिखें।
3. पिछले बारह महीने में तेन्दुआ के बच्चों के होने का प्रमाण, हां/नहीं ..... यदि हाँ तो बच्चों की संख्या ..... अनुमानित आयु ..... दिनांक/माह .....
   क) वन कर्मचारी द्वारा देखा गया ( ) ख) पदचिन्ह पाये गये ( )
   ग) स्थानीय निवासी द्वारा सूचना ( ) ग) अधिकारी द्वारा देखे गये ( )
   (उपरोक्त उचित व्याख्या को √ करें)
4. अगर तेन्दुआ के मौजूद होने के प्रमाण बीट में हो, परन्तु खोज के दौरान कोई चिन्ह न मिला हो, तब किस आधार पर तेन्दुआ के होने को प्रमाणित किया गया।
   पदचिन्ह ( ), प्रत्यक्ष ( ), विष्ठा ( ), अन्य चिन्ह ( ) ..... और अनुमानित तिथि/माह ..... लिखें।
5. इस बीट में पिछले 3 महीनों में पालतू जानवरों के शिकार की जानकारी, परभक्षियों द्वारा शिकार की संख्या, बाघ ..... तेन्दुआ .....जंगली कुत्ता.....और अन्य परभक्षी.....
   ..... (परभक्षी का विवरण) । घटनाओं की संख्या: .....
6. सुझाव एवं टिप्पणी .....
   .....

प्रपत्र 1– भरने के अतिरिक्त मार्गदर्शी बिन्दु

1. वितरित की गई फील्ड गाईड एवं वन्यप्राणियों के चिन्ह/साक्ष्य की पहचान पुस्तिका में दिये गये बाघ/तेंदुआ अन्य सह परभक्षियों एवं बड़े शाकाहारी पशुओं के चिन्हों का प्रारूप इस प्रपत्र को भरने के पूर्व ध्यान से पढ़ें।
2. प्रपत्र–1 को अलग–अलग दिनांकों के लिये पृथक–पृथक प्रपत्र में भरें।
3. मुख्य डाटा कलेक्शन प्रारंभ करने के पूर्व जी.पी.एस. द्वारा प्रारंभ बिन्दु का अक्षांश एवं देशांतर अनिवार्य रूप से लिया जाकर प्रपत्र 1 में भरें।
4. सभी संरक्षित क्षेत्र और प्रादेशिक वनों में जहां जी .पी.एस. यूनिट उपलब्ध है, प्रत्येक 20 मिनिट में जी .पी.एस. निर्देशांक दर्ज किये जाने की आवश्यकता है जिसकी जानकारी टिप्पणी में दर्ज की जाये।
5. सामान्यतः गारे के पास ही मांसाहारी प्राणी की विष्ठा बहुत पास–पास कई जगह पायी जाती है। इन सभी को एक ही चिन्ह माना जाये बशर्ते सभी विष्ठायें एक ही समय की हों।
6. बाघ/तेंदूओं के आने एवं जाने के निशानों की पंक्ति को दो अलग–अलग चिन्ह माना जाये। अगर कोई पंक्ति मादा तथा बच्चों द्वारा बनाई गई हो तो बच्चों एवं मादा की संख्या के अनुसार चिन्हों की संख्या दें।
7. बाघ एवं तेंदुए की विष्ठा एवं खरोंच अगर कतार में मिलें तो उसको अलग–अलग साक्ष्य माना जायेगा।
8. मांसभक्षियों के चिन्हों की खोज धीरज एवं सावधानी के साथ प्रतिदिन लगातार 5 कि.मी. (6 घण्टे) तक की जाये।

प्रपत्र–2: ट्रांसेक्ट लाइन पर वन्यजीवों एवं मवेशियों की गणना

वनमण्डल: ..... परिक्षेत्र: ..... बीट: ..... दिनांक: .....
ट्रांसेक्ट आई.डी.: ..... ट्रांसेक्ट रैप्लिकेट: ..... ट्रांसेक्ट बेअरिंग: ..... ट्रांसेक्ट दूरी (कि.मी.): .....
प्रारंभ समय: ..... अंत समय: ..... वन प्रकार**: ..... भौतिकी के प्रकार***: .....
प्रारंभ अक्षांश: N ..... प्रारंभ देशांतर: E .....
अंत अक्षांश: N ..... अंत देशांतर: E .....
मौसम: साफ ( )/बादल ( )/वर्षा ( )

दल के सदस्य	नाम	पद	दूरभाष
1			
2			

अ. क्र.	समय	अक्षांश			देशांतर			प्रजाति*	कुल संख्या (वयस्क एवं बच्चे)	बच्चे	जानवर की दूरी	कम्पास बियरिंग		वन प्रकार**	भौतिकी के प्रकार***	टिप्पणी
		डि.	मि.	से.	डि.	मि.	से.					जानवर	वॉक			
1.																
2.																
3.																
4.																
5.																
6.																
7.																
8.																
9.																
10.																
11.																
12.																
13.																
14.																
15.																

* **प्रजाति का चयन करें:** गौर, चिंकारा, चीतल, सांम्भर, चौसिंघा, जंगली सूअर, नीलगाय, कालामृग, हनुमान लंगूर, लाल मुह बंदर, बकरी, बारासिंघा, भेड़, भेड़की/घुटरी/काकर, भैंस, उड़न गिलहरी, खरहा/खरगोश, मवेशी–पशु, मूषक हिरण, मोर, लाल जंगली मुर्गा, स्लेटी जंगली मुर्गा, सेही, ।

** **वन प्रकार इनमें से एक होना चाहिए:** मिश्रित शुष्क, पर्णपाती वन, सागौन वन, साल वन, कृषि/वृक्षारोपण, बांस, घट्टानी वन, घोंकवन (करघई वन), परती भूमि, मिश्रित सदाबहार जंगल, मिश्रित नम पर्णपाती वन, मिश्रित अर्ध–सदाबहार जंगल, बगीचा, चारागाह, क्षुपभूमि (झाड़ीदार जंगल), छोटे घास का मैदान, बड़े घास का मैदान, कांटा वन, नदीयां एवं अर्धभूमि।

*** **भौतिकी के प्रकार** इनमें से एक होना चाहिए: पहाड़ी, समतल, ढलान, लहरदार, घाटी, तीव्र ढलान।

प्रपत्र 2– भरने के अतिरिक्त मार्गदर्शी बिन्दु

1. वितरित की गई फील्ड गाईड एवं वन्यप्राणियों के चिन्ह/साक्ष्य की पहचान पुस्तिका में दिये गये बाघ/तेंदुआ अन्य सह परभक्षियों एवं बड़े शाकाहारी पशुओं के चिन्हों का प्रारूप इस प्रपत्र को भरने के पूर्व ध्यान से पढ़ें।
2. प्रपत्र–2 को अलग–अलग दिनांकों के लिये पृथक–पृथक तीन प्रपत्र में भरें।
3. जी.पी.एस. निर्देशांक का प्रारूप डिग्री–मिनिट–सेकंड में ही दर्ज करें।
4. ट्रांसेक्ट पर जानवर के प्रत्यक्ष दर्शन को दर्ज करते समय चलने की बियरिंग एवं जानवर की बियरिंग दोनों ही दर्ज करें । (ट्रांसेक्ट लाइन यदि घाटी एवं अन्य भौतिकी से गुजर रही है उस अवस्था में चलने की बियरिंग (वॉक बियरिंग) एवं ट्रांसेक्ट बियरिंग अलग हो सकती है)।
5. ट्रांसेक्ट लाइन के चलते समय ऊगते हुए सूरज के कारण असुविधा न हो अतः सूरज के सामने की दिशा में न जाये यह भी ध्यान में रखा जावे ।
6. ट्रांसेक्ट लाइन के चलते वक्त जितनी दूर तक जानवर पहचाना जा सके उसे लिखा जाना है।
7. मादा के पेट की ऊंचाई तक आने वाले जानवर (एक साल से कम उम्र) को बच्चे की श्रेणी में लिया जावे।
8. एक बीट में दो ट्रांसेक्ट लाईन डाले गये हों तो ट्रांसेक्ट लाईन क्रमांक में अ, ब लिखा जावे जैसे 105(अ), 105(ब)।
9. एक झुण्ड में दो प्रजातियों के जानवर मिलते हैं तो प्रत्येक प्रजाति को अलग–अलग झुण्ड माना जावे।
10. ट्रांसेक्ट लाइन की प्रारंभ व अंत समय को प्रपत्र में दर्ज करें।

प्रपत्र–3: वनस्पति, मानवीय व्यवधान एवं भू–आच्छादन का प्रारूप

संकलनकर्ता: ..... बीट: ..... परिक्षेत्र: ..... वनमण्डल: .....
दिनांक: ..... ट्रांसेक्ट आई.डी.: ..... प्लाट आई.डी.: .....
बीट: ..... अक्षांश: N ..... देशांतर: E .....
वन प्रकार*: ..... भौतिकी के प्रकार**: .....

अ एवं स: वनस्पति का सर्वेक्षण

क्र.	वृक्ष प्रजाति (प्र.–3अ) (15 मी. के अर्ध व्यास में)		झाड़ी प्रजाति (प्र.–3अ) (5 मी. के अर्ध व्यास में)		खरपतवार प्रजाति (प्र.–3अ) (5 मी. के अर्ध व्यास में)		शाकीय पौधे (प्र.–3स) (1 मी. के अर्ध व्यास में) प्रचुरता के घटते क्रम में (3–1)	घास (प्र.–3स) (1 मी. के अर्ध व्यास में) प्रचुरता के घटते क्रम में (3–1)
	प्रजाति	संख्या	प्रजाति	प्रतिशत आच्छादन	प्रजाति	प्रतिशत आच्छादन	प्रजाति	प्रजाति
1.								
2.								
3.								
4.								
5.								
6.								
7.								
8.								
9.								
10.								
	छत्र घनत्व (0.0–1.0):							

** **वन प्रकार इनमें से एक होना चाहिए:** मिश्रित शुष्क, पर्णपाती वन, सागौन वन, साल वन, कृषि/वृक्षारोपण, बांस, चट्टानी वन, धोंकवन (करधई वन), परती भूमि, मिश्रित सदाबहार जंगल, मिश्रित नम पर्णपाती वन, मिश्रित अर्ध–सदाबहार जंगल, बगीचा, चारागाह, क्षुपभूमि (झाड़ीदार जंगल), छोटे घास का मैदान, बड़े घास का मैदान, कांटा वन, नदीयां एवं अर्धभूमि।

*** **भौतिकी के प्रकार** इनमें से एक होना चाहिए: पहाड़ी, समतल, ढलान, लहरदार, घाटी, तीव्र ढलान।

ब. मानवीय व्यवधान (15 मी. के अर्धव्यास में)

कटे हुए वृक्षों की संख्या	कटी शाखाओं की संख्या	मनुष्य/पालतू पशु द्वारा बनाई पगडंडियों की संख्या	मनुष्य की मौजूदगी की संख्या	पालतू पशु की मौजूदगी की संख्या	घास/बांस की कटाई (हां/नहीं)

क्या बीट में मनुष्यों के स्थाई निवास स्थल हैं? (हां/नहीं) ————। यदि हाँ, तो कितने———— उनकी अनुमानित जनसंख्या————

पालतू जानवरों की संख्या– मवेशी————, भेड़.बकरी————, अन्य पशु————।

क्या इस बीट में एन.टी.एफ.पी. इकट्ठा की जाती है हाँ ना। अगर हाँ तो एनटीएफपी के नामः————/————/————/————

बीट में पिछले 12 महीने में आग लगने की दर, 0 से 4 की श्रेणी में लिखें (0–नहीं और 4–बहुत अधिक):————

स. भू–आच्छादन सर्वेक्षण (1 मी. के अर्धव्यास में)

सूखे पत्ते (%)	भू–आच्छादन (पांचों कॉलम का योग 100% होना चाहिए)				
	सूखी घास (%)	हरी घास (%)	शाकीय पौधे (%)	खरपतवार (%)	खाली भूमि (%)

प्रपत्र 3 अ, ब एवं स– भरने के अतिरिक्त मार्गदर्शी बिन्दु

1. वितरित की गई फील्ड गाईड एवं वन्यप्राणियों के चिन्ह/साक्ष्य की पहचान पुस्तिका को ध्यान से पढ़ें।
2. यह जानकारी ट्रांसेक्ट लाईन के प्रारंभ में क्रमशः 0, 400, 800, 1200, 1600, 2000 मीटर पर एकत्रित की जावे तथा कॉलम एक में यह क्रमशः प्लॉट नं . 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि भरा जावे। जब किसी बीट में दो ट्रांसेक्ट लाईन डाली जाती है तो उनको उसी ट्रांसेक्ट लाईन के आई .डी. पर अ एवं ब पर दर्शाया जावे परन्तु प्लाटों का अनुक्रमांक आगे बढ़ेगा। जैस 105अ एवं 105ब दो ट्रांसेक्ट लाईन एक बीट में है तो 105 अ में 6 प्लाट डाला गया तो 105 ब के प्लाट क्रमांक 7 से प्रारंभ होगा।
3. यदि विभिन्न प्रजातियों के पौधे एक ही संख्या में पाये जाते हैं तो उन्हे एक ही श्रेणी में दर्शाकर टिप्पणी वाले कॉलम में उल्लेख करें।
4. बॉस 2 मी. की लंबाई से ज्यादा है तो उसे पेड़, और अगर 2 मी. से कम है तो उसे झाड़ी में दर्ज करें।
5. वृक्ष/बांस को 20 से.मी. से अधिक गोलाई एवं 2 मीटर से कम ऊंचाई को झाड़ी माना जावे। भले ही वे वृक्ष प्रजाति के हों।
6. कृपया ध्यान में रखें 3 अ, ब, स प्रपत्र प्रत्येक प्लाट में अलग–अलग भरे जायेंगे, उदाहरण के लिये यदि 2 कि .मी. के ट्रांसेक्ट में 6 प्लॉट जो कि 0, 400, 800, 1200, 1600, 2000 मीटर पर डाले जायेंगे जिनके लिए 6 प्रपत्र पृथक–पृथक भरे जावेंगे।
7. बीट में जो ग्राम है उनकी जनसंख्या एवं गाय, भेड़, बकरी, अन्य पशुओं की संख्या पहले से एकत्रित करके रखें।
8. ट्रांसेक्ट लाईन की जिस दिशा में वन्यप्राणियों के लेंडी एवं गोबर का सर्वेक्षण एकत्रित करते हैं, उसी दिशा में 15 मीटर अर्धव्यास के प्लॉट के केन्द्र बिन्दु से 5 मीटर दूर पर 1 मीटर अर्धव्यास के Circular plot डालकर भूमि आच्छादन (Cover) का सर्वेक्षण करें।
9. सूखे पत्ते के बारे में जानकारी एकत्रित करने के पश्चात पत्ते हटाकर भूमि आच्छादन प्रकार की जानकारी भरी जावे।

प्रपत्र–4: वन्यप्राणियों एवं मवेशियों की लेंडी/गोबर का सर्वेक्षण

संकलनकर्ता: ———— दिनांक: ———— वन मंडल : ————

रेंज/परिक्षेत्र: ———— बीट: ———— ट्रांसेक्ट लाइन क्रमांक: ————

-	चीतल	सांभर	जंगली सुअर	नीलगाय	गौर	बारासिंघा	भेंड़की	चिंकारा	चौसिंघा	खरहा	मूसा हिरन	कालामृग	लंगूर	लाल मुंह बंदर	मोर	अन्य जंगली जानवर	गाय/भैंस	भेड़/बकरी	अन्य पालतू जानवर
1																			
2																			
3																			
4																			
5																			
6																			
7																			
8																			
9																			
10																			
11																			
12																			
13																			
14																			
*हां/नहीं																			

*आपकी निजी जानकारी के अनुसार उपरोक्त जानवर आपके बीट में पाये जाते हैं? हाँ/नहीं ।

टिप्पणी – 1. क्षेत्र में बकरी/भेड़ चरती हैं ? हाँ/नही ————

अगर लेंडियों की संख्या 1000 से ज्यादा हो तो 999 दर्ज करें ।

प्रपत्र 4– भरने के अतिरिक्त मार्गदर्शी बिन्दु

1. वितरित की गई फील्ड गाईड एवं वन्यप्राणियों के चिन्ह/साक्ष्य की पहचान पुस्तिका को ध्यान से पढ़ें।
2. यह जानकारी ट्रांसेक्ट लाईन के प्रारंभ में क्रमश: 0, 400, 800, 1200, 1600, 2000 मीटर इत्यादि में एकत्रित की जावे तथा कॉलम एक में यह क्रमशः प्लॉट नं. 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि भरा जावे। जब किसी बीट में दो ट्रांसेक्ट लाईन डाली जाती है तो उनको उसी ट्रांसेक्ट लाईन के आई .डी. पर अ एवं ब पर दर्शाया जावे परन्तु प्लाटों का अनुक्रमांक आगे बढ़ेगा। जैसे 105अ एवं 105ब दो ट्रांसेक्ट लाईन एक बीट में है तो 105अ में चार प्लाट डाला गया तो 105ब के प्लाट क्रमांक 7 से प्रारंभ होगा।
3. प्रपत्र की अंतिम लाईन में आपकी जानकारी के अनुसार जानवर हैं, परन्तु यदि गोबर/लेंडी नहीं मिले, तभी उस प्रजाति के बारे में हां लिखें। यदि आपको ना ही गोबर/लेंडी मिले और ना ही आपकी जानकारी अनुसार उस प्रजाति का जानवर पाये जाते हैं तब उस प्रजाति के बारे में नहीं लिखें।
4. ट्रांसेक्ट लाईन के प्लाट नं. 1 (0 मी. प्वाइन्ट) में दाहिने तरफ 2 मी. X 20 मी. के प्लॉट में लेंडियों की सर्वेक्षण किये गये तो प्लॉट नं. 2 (400 मी. प्वाइन्ट) में ट्रांसेक्ट लाईन के बांये तरफ 2 मी. X 20 मी. के प्लॉट में सर्वेक्षण किया जाना है। प्लॉट नं. 3 में दाहिनी एवं प्लॉट नं. 4 में बांये इस प्रकार आगे बढ़ना है एवं कुल 6 प्लॉट डालना है, 2 कि.मी. के ट्रांजेक्ट लाइन के लिये ।
5. वन्यप्राणी एवं मवेशियों की लेंड़ी/गोबर सर्वेक्षण के लिये जो प्लॉट डाला जायेगा वो वनस्पति मानवीय व्यवधान एवं भू–आच्छादन के सर्वेक्षण के लिये ट्रांजेक्ट लाइन में डाले गये प्लॉट के विपरित दिशा में होगा।

प्रपत्र–5: गिद्ध एवं अन्य लुप्तप्राय पक्षी सर्वेक्षण प्रारूप

संकलनकर्ता: ———————————— दिनांक: ————————————

वन मंडल: ———————————— परिक्षेत्र: ———————————— बीट: ————————————

क्र.	*पक्षी प्रजातियां देखी गयीं	संख्या	गतिविधि (उड़ान के समय/बसेरे में/खाते हुए)	वन प्रकार	टिप्पणी

*यदि आपने भली–भांति सुनिश्चित कर लिया है, तभी प्रजाति की पहचान का उल्लेख करें, अन्यथा बड़ा या छोटा गिद्ध, लाल सिर, या अन्य विवरणों का उल्लेख करें।

1) क्या आपको बीट में विगत तीन वर्षों के दौरान हुई किसी गिद्ध की मौत की जानकारी है ? हाँ/नहीं ————————

2) क्या आपकी बीट में गिद्ध के कोई सक्रिय बसेरे (घोंसले) हैं ? यदि हाँ, तो संख्या ?

वृक्षों पर ....., पहाड़ियों/खड़ी चट्टानों पर .....

प्रपत्र–6: विष्ठा संग्रह (आनुवंशिकी हेतु)

संकलनकर्ता: ———————————————— संरक्षित क्षेत्र: ————————————————

क्र.स.	दिनांक	सैंपल आई.डी.	जीपीएस निर्देशांक						संभावित प्रजाति**	परिक्षेत्र/बीट	विष्ठा की अवस्था*	टिप्पणी
			अक्षांश			देशांतर						
			डी.	मी.	से.	डी.	मी.	से.				
1												
2												
3												
4												
5												
6												
7												
8												
9												
10												
11												
12												
13												
14												
15												
16												
17												

* **विष्ठा की अवस्था** – बहुत ताजा, ताजा, पुराना, बहुत पुराना

** बाघ, तेंदुआ, जंगली कुत्ता (ढोल), भेड़िया, लकड़बघा, सियार, भालू, छोटी बिल्ली प्रजाति एवं गौर का गोबर भी संग्रह करें ।

टिप्पणी – संग्रहण को संरक्षित क्षेत्र में रखा जाना सुनिश्चित करें।